

Q.1) निम्न में से कौन वायुमंडलीय खतरे हैं?

1. उष्णकटिबंधी चक्रवात
2. गरज के साथ वर्षा
3. हिमस्खलन
4. ओला-वृष्टि (Hailstorms)

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 1, 2 और 4
- c) केवल 1, 2 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.1) Solution (d)

मौसम संबंधी कुछ घटनाओं से जुड़ी घटनाओं को वायुमंडलीय खतरों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। व्यक्तिगत खतरों में शामिल हैं: उष्णकटिबंधीय चक्रवात, गरज के साथ वर्षा, तूफान, बिजली की चमक, तूफान, ओलावृष्टि, हिमस्खलन, गंभीर शीतकालीन तूफान और अत्यधिक गर्मी का मौसम। सर्दियों की भयंकर आंधी से बर्फबारी हिमस्खलन का कारण बन सकती है।

Q.2) भारत के लिए राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक किसके द्वारा तैयार किया जाता है?

1. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
2. गृह मंत्रालय
3. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)
4. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA)

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 3
- b) केवल 2 और 3
- c) केवल 1 और 4
- d) केवल 2 और 4

Q.2) Solution (b)

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के समर्थन से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पहली बार भारत के लिए राष्ट्रीय आपदा जोखिम सूचकांक तैयार किया है। इसने 640 जिलों और UTs सहित सभी राज्यों में आर्थिक कमजोरियों सहित खतरों और कमजोरियों का मानचित्रण किया है। सूचकांक कारकों में जनसंख्या, कृषि और पशुधन तथा पर्यावरणीय जोखिम शामिल किया गया है।

Q.3) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सेंडाइ फ्रेमवर्क, ह्यूगो फ्रेमवर्क एक्शन (HFA) 2005-2015 के लिए उत्तराधिकारी उपकरण है

IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 30 Environment

- इसका उद्देश्य केवल प्राकृतिक आपदाओं को रोकना, कम करना और शमन करना है
- सेंडाई फ्रेमवर्क पहला अंतर्राष्ट्रीय, बाध्यकारी समझौता था, जो 2015 के बाद के विकास के एजेंडे के संदर्भ में अपनाया गया था।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 1 और 2
- केवल 1 और 3
- उपरोक्त सभी

Q.3) Solution (a)

कथन 1 : सत्य	कथन 2 : असत्य	कथन 3 : असत्य
आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क 2015-2030 (इसके बाद "सेंडाई फ्रेमवर्क") को 18 मार्च, 2015 (UNISDR 2015a) को सेंडई, जापान में तीसरे संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन में अपनाया गया, जो ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन 2005-2015 के लिए उत्तराधिकारी है।	सेंडाई फ्रेमवर्क प्राकृतिक और मानव जनित खतरों के साथ-साथ संबंधित पर्यावरणीय, तकनीकी और जैविक खतरों और जोखिमों के कारण छोटे पैमाने पर और बड़े पैमाने पर, लगातार और असतत, तीव्र और धीमी-शुरुआत आपदाओं के जोखिम पर लागू होगा। इसका उद्देश्य सभी क्षेत्रों में और साथ ही, सभी क्षेत्रों में विकास में आपदा जोखिम के बहु-खतरे प्रबंधन का मार्गदर्शन करना है।	यह एक गैर-बाध्यकारी समझौता है, जिसे भारत सहित हस्ताक्षरकर्ता राष्ट्र स्वैच्छिक आधार पर पालन करने का प्रयास करेंगे।

Q.4) राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (State disaster response fund) के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

- केंद्र सरकार सामान्य श्रेणी के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के लिए SDRF आवंटन का 50% और विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 90% का योगदान देती है।
- राज्य सरकार SDRF के तहत उपलब्ध धन के 25 प्रतिशत तक का उपयोग तत्काल राहत प्रदान करने के लिए कर सकती है, जिसे वे राज्य में स्थानीय संदर्भ में 'आपदा' मानते हैं और जो आपदाओं की अधिसूचित सूची में शामिल नहीं हैं।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.4) Solution: (d)

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 48 (1) (क) के तहत गठित राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ), अधिसूचित आपदाओं के प्रतिउत्तर के लिए राज्य सरकारों के पास उपलब्ध प्राथमिक निधि होती है। केंद्र सरकार सामान्य श्रेणी के राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के लिए एसडीआरएफ आवंटन का 75% और विशेष श्रेणी के राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों (उत्तर-पूर्वी राज्यों, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर) के लिए 90% का योगदान देती है।

स्थानीय आपदा: राज्य सरकार स्थानीय आपदाओं के शिकार लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए एसडीआरएफ के तहत उपलब्ध धन का 10 प्रतिशत तक उपयोग कर सकती है, जिसे वे राज्य में स्थानीय संदर्भ में 'आपदा' मानते हैं और जो गृह मंत्रालय की आपदाओं की अधिसूचित सूची में शामिल नहीं हैं।

Q.5) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. SDRF के अंतर्गत आने वाली आपदाएँ चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट का हमला, ठंड और शीत लहरें हैं।

2. गृह मंत्रालय सभी अधिसूचित आपदाओं के लिए राहत गतिविधियों की निगरानी करता है

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.5) Solution (a)

SDRF के अंतर्गत आने वाली आपदा: चक्रवात, सूखा, भूकंप, आग, बाढ़, सुनामी, ओलावृष्टि, भूस्खलन, हिमस्खलन, बादल फटना, कीट का हमला, ठंड और शीत लहरें।

कृषि मंत्रालय (MoA) के तहत कृषि और सहकारिता विभाग सूखे, ओलावृष्टि, कीटों के हमलों और शीत लहर / ठंड से जुड़ी आपदाओं के लिए राहत गतिविधियों की निगरानी करता है जबकि शेष प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी गृह मंत्रालय द्वारा की जाती है।

Q.6) अग्रिम सूचित अनुबंध (Advance informed Agreement- AIA) प्रक्रिया किससे संबंधित है?

- बेसल कन्वेंशन
- कार्टाजेना प्रोटोकॉल
- रॉटरडैम कन्वेंशन
- नागोया प्रोटोकॉल

Q.6) Solution (b)

जैविक विविधता पर कन्वेंशन से संबंधित जैव-सुरक्षा पर कार्टाजेना प्रोटोकॉल एक अंतरराष्ट्रीय संधि है जो आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के परिणामस्वरूप एक देश से दूसरे देश में जीवित संशोधित जीवों (living modified organisms -LMOs) के संचरण को नियंत्रित करता है।

यह सुनिश्चित करने के लिए एक **अग्रिम सूचित समझौता (AIA)** प्रक्रिया स्थापित करता है कि देशों को इस तरह के जीवों के अपने क्षेत्र में आयात करने से पहले सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की जाती है।

Q.7) पृथ्वी पहल के लिए विश्वास (Faith for Earth Initiative) किसके द्वारा आरंभ किया गया है?

- IPCCC
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण
- WHO
- FAO

Q.7) Solution (b)

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण ने नवंबर 2017 में पृथ्वी पहल के लिए विश्वास (Faith for Earth Initiative) का शुभारंभ किया। पृथ्वी के लिए विश्वास का लक्ष्य रणनीतिक रूप से विश्वास-आधारित संगठनों के साथ जुड़ना तथा उनके साथ सामूहिक रूप से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करना और 2030 एजेंडा के उद्देश्यों को पूरा करना है।

पृथ्वी के लिए विश्वास के तीन मुख्य लक्ष्य हैं: आस्था संगठनों और उनके नेताओं को पर्यावरण की रक्षा के लिए वकालत करने और सशक्त बनाने के लिए, आस्थाओं पर आधारित संगठनों के निवेश और परिसंपत्तियों को एसडीजी के कार्यान्वयन में सहायता करने के लिए, तथा उन्हें अपने नेताओं को निर्णय लेने वालों और जनता के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम करने हेतु ज्ञान और नेटवर्क प्रदान करना।

Q.8) WEBINAR: कीटनाशक पंजीकरण टूलकिट किसके द्वारा बनाए रखा (maintained) जाता है?

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण
- WHO
- FAO
- यूनेस्को

Q.8) Solution (c)

एफएओ कीटनाशक पंजीकरण टूलकिट कम और मध्यम आय वाले देशों में कीटनाशक पंजीकरण अधिकारियों के लिए एक निर्णय समर्थन प्रणाली है, जिसे कीटनाशकों के मूल्यांकन और प्राधिकरण में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कई कीटनाशक-विशिष्ट सूचना स्रोतों जैसे कि अन्य देशों में पंजीकरण, वैज्ञानिक समीक्षा, खतरा वर्गीकरण, लेबल, एमआरएल और कीटनाशक गुण प्रदान करता है। कीटनाशक पंजीकरण टूलकिट के विभिन्न मॉड्यूल रॉटरडैम कन्वेंशन के कार्यान्वयन में शामिल अवयवों के लिए उपयोग किए जा सकते हैं, विशेष रूप से नामित राष्ट्रीय प्राधिकरण (डीएनए) द्वारा।

Q.9) औद्योगिक रसायन और कीटनाशक, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय खतरे बन गए हैं। इसके संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. रॉटरडैम कन्वेंशन में कीटनाशक और औद्योगिक रसायन शामिल होते हैं जिन्हें प्रतिबंधित या गंभीर रूप से सीमित किया गया होता है
2. रॉटरडैम कन्वेंशन रसायनों और कीटनाशकों के नियंत्रण के लिए कानूनी रूप से गैर-बाध्यकारी दायित्व है
3. पूर्व सूचित सहमति (PIC) रॉटरडैम कन्वेंशन से संबंधित है

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2
- c) केवल 1 और 3
- d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.9) Solution (c)

रॉटरडैम कन्वेंशन 10 सितंबर 1998 को प्लेनिपोटेंटियरीज के सम्मेलन, रॉटरडैम, नीदरलैंड में अपनाया गया था। कन्वेंशन 24 फरवरी 2004 को लागू हुआ था।

कन्वेंशन के उद्देश्य हैं:

- मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को संभावित नुकसान से बचाने के लिए कुछ खतरनाक रसायनों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पार्टियों के बीच साझा उत्तरदायित्व और सहकारी प्रयासों को बढ़ावा देना;
- उन खतरनाक रसायनों के पर्यावरणीय ठोस उपयोग में योगदान करने के लिए, उनकी विशेषताओं के बारे में जानकारी के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना, उनके आयात और निर्यात पर एक राष्ट्रीय निर्णय लेने की प्रक्रिया प्रदान करना और इन निर्णयों को पार्टियों को प्रसारित करना।

कन्वेंशन, पूर्व सूचित सहमति (PIC) प्रक्रिया के कार्यान्वयन के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्व बनाती है। यह PIC प्रक्रिया पर स्वैच्छिक बनाया गया था, 1989 में UNEP और FAO द्वारा आरंभ किया गया था तथा 24 फरवरी 2006 को समाप्त हो गया।

Q.10) जैविक विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (International Day for Biological Diversity) कब मनाया जाता है?

- a) 21 मई
- b) 22 मई
- c) 23 मई
- d) 22 जून

Q.10) Solution (b)

संयुक्त राष्ट्र ने जैव विविधता के मुद्दों की समझ और जागरूकता बढ़ाने के लिए 22 मई को, जैविक विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (IDB) की घोषणा की है। जब पहली बार 1993 के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा की दूसरी समिति द्वारा बनाई गई, 29 दिसंबर (जैविक विविधता के सम्मेलन के लागू होने की तारीख) को जैविक विविधता के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस नामित किया गया था।

Q.11) सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में, SDG'S को प्राप्त करने के लिए निम्न में से कौन सा महत्वपूर्ण है?

1. पशुपालन
2. विविध आहारों की हानि (The loss of diverse diets)
3. समुद्री संरक्षण
4. कृषि में स्वदेशी खाद्य फसलों का उपयोग

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 3
- b) केवल 1, 3 और 4
- c) केवल 2, 3 और 4
- d) उपरोक्त सभी।

Q.11) Solution (b)

विभिन्न आहारों की हानि सीधे बीमारियों या स्वास्थ्य जोखिम कारकों, जैसे कि मधुमेह, मोटापा और कुपोषण से जुड़ी हुई है, तथा पारंपरिक दवाओं की उपलब्धता पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार यह SDG'S को प्राप्त करने में बाधा है।

स्वदेशी फसलें जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में सहायक होती हैं तथा अधिक पौष्टिक होती हैं जिससे खाद्य उत्पादन में वृद्धि होती है

पशुपालन और समुद्री संसाधन (मछली) एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करते हैं।

Q.12) जैव उपचार (Bioremediation) एक तकनीक है जिसका उपयोग प्रदूषण को सूक्ष्म जीवाणुओं के माध्यम से जैव निम्नीकरण करके साफ़ किया जाता है। निम्नलिखित में से कौन जैव उपचार की मुख्य विशेषताएं हैं?

1. यह लागत प्रभावी है। कोई निर्माण या अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होती है।
2. प्रयोग किया गया सूक्ष्म जीवाणु समूह (microbial consortia), संकीर्ण तापमान परास पर विकास को प्रदर्शित करता है
3. पानी में पोषक तत्व के स्तर को नियंत्रित करता है तथा इस प्रकार "सुपोषण" (Eutrophication) प्रक्रिया को नियंत्रित करने में मदद करता है।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2

- c) केवल 1 और 3
d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.12) Solution (c)

जैव उपचार जीवित सूक्ष्मजीवों का उपयोग पर्यावरण के दूषित पदार्थों को कम विषाक्त रूपों में निम्नीकृत करने के लिए है। यह प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले बैक्टीरिया और कवक या पौधों का उपयोग मानव स्वास्थ्य और / या पर्यावरण के लिए खतरनाक पदार्थों को निम्नीकृत या गैर-विषाक्त करने के लिए करता है। सूक्ष्मजीव एक दूषित क्षेत्र के लिए देशीय हो सकते हैं या उन्हें अन्यत्र से अलग करके भी दूषित स्थल पर लाया जा सकता है।

मुख्य विशेषताएं:

- यह लागत प्रभावी है। कोई निर्माण या अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता नहीं होती है।
- ये रोगाणु गंध को नियंत्रित करने, प्रदूषित पानी और ठोस पदार्थों को निम्नीकृत करने, बीओडी, तेल / ग्रीज संचय को कम करने में प्रभावी होते हैं।
- ये सूक्ष्म जीव समूह व्यापक तापमान परास में विकास का प्रदर्शन करते हैं
- ये जीव घुलित ऑक्सीजन का एक संतोषजनक स्तर बनाए रखते हैं तथा इसलिए एरेटर (aerators), जो उच्च शक्ति का उपभोग करते हैं, से बचा जा सकता है या इसके उपयोग को कम किया जा सकता है।
- पानी में पोषक तत्व के स्तर को नियंत्रित करते हैं तथा इस प्रकार "यूट्रोफिकेशन" प्रक्रिया को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं।

Q.13) निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. स्वस्थाने जैव उपचार (In situ bioremediation) में स्थल पर ही संदूषण का उपचार शामिल होता है।
2. परस्थाने जैव उपचार (Ex situ bioremediation) के लिए दूषित पदार्थ को अन्य स्थान पर उपचार के लिए भौतिक निष्कर्षण शामिल होता है

उपरोक्त कथन में से कौन गलत है / हैं?

- a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

Q.13) Solution (d)

कथन 1 : सत्य	कथन 2 : सत्य
स्वस्थाने जैव उपचार (In situ bioremediation) में स्थल पर ही संदूषण का उपचार शामिल होता है। मिट्टी के संदूषण के मामले में, स्वस्थाने जैव उपचार में खनिज	परस्थाने जैव उपचार (Ex situ bioremediation) के लिए दूषित पदार्थ को अन्य स्थान पर उपचार के लिए भौतिक निष्कर्षण शामिल होता है। यदि केवल मिट्टी दूषित हैं, दूषित

पोषक तत्वों का समावेश होता है। ये पोषक तत्व मिट्टी में पहले से मौजूद सूक्ष्मजीवों की निम्नीकरण करने की क्षमता को बढ़ाते हैं।	मिट्टी की खुदाई करके उपचार के लिए कहीं और ले जाया जा सकता है। यदि संदूषण भूजल तक पहुंच गया है, तो इसे पंप किया जाना चाहिए और किसी भी दूषित मिट्टी को भी अवश्य हटाया जाना चाहिए।
--	---

Q.14) निम्नलिखित युग्मों का मिलान करें:

विधि

विशेषताएँ

1. सूक्ष्म जैविक उपचार (Microbial bioremediation): सूक्ष्मजीवों को खाद्य स्रोत के रूप में उपयोग करके दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए उपयोग किया जाता है।
2. जैवनिकासी (Bioventing): कीटनाशकों, हाइड्रोकार्बन और भारी धातुओं जैसे दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए कवक के पाचन एंजाइमों का उपयोग किया जाता है।
3. पादप उपचार (Phytoremediation): कीटनाशकों, पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन, धातुओं और क्लोरीनयुक्त सॉल्वेंट्स जैसे प्रदूषकों को बांधने, निकालने और साफ करने के लिए पादपों का उपयोग किया जाता है।
4. कवक उपचार (Mycoremediation): वायुमंडल से दूषित मिट्टी में वायु का प्रवाह किया जाता है।

उपरोक्त में से कौन सा सही ढंग से सुमेलित है / है?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 1 और 4
- c) केवल 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.14) Solution (c)

सूक्ष्म जैविक उपचार (Microbial bioremediation)	इसमें सूक्ष्मजीवों को खाद्य स्रोत के रूप में उपयोग करके दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए उपयोग किया जाता है।
जैवनिकासी (Bioventing)	इसमें वायुमंडल से दूषित मिट्टी में वायु प्रवाहित की जाती है। सबसे पहले, हवा आंतरिक सतहों तक प्रवाहित करने के लिए दूषित मिट्टी में एक गड्ढा खोदा जाना चाहिए।
पादप उपचार (Phytoremediation)	यह कीटनाशकों, पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन, धातुओं और क्लोरीनयुक्त सॉल्वेंट्स जैसे प्रदूषकों को बांधने, निकालने और साफ करने के लिए पादपों का उपयोग किया जाता है।
कवक उपचार (Mycoremediation)	यह कीटनाशकों, हाइड्रोकार्बन और भारी धातुओं जैसे दूषित पदार्थों को निम्नीकृत करने के लिए कवक के पाचन एंजाइमों का उपयोग किया जाता है।

Q.15) जलवायु समझौते के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ना महत्वपूर्ण है। इसके संदर्भ में, जैव ईंधन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. तीसरी पीढ़ी के जैव-ईंधन, जैव-ईंधन उत्पादन के लिए गैर-खाद्य फसलों का उपयोग करते हैं।
2. बायोडीजल फसलों और उनके उप-उत्पादों के किण्वन से उत्पन्न होने वाला अल्कोहल होता है।

IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 30 Environment

3. बायोगैस अकार्बनिक पदार्थों के अवायवीय पाचन द्वारा निर्मित होती है
4. जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

उपरोक्त कथन में से कौन गलत है / हैं?

- a) केवल 1 और 2
- b) केवल 2
- c) केवल 1, 2, और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.15) Solution (c)

जैव ईंधन पर राष्ट्रीय नीति लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है।

पहली पीढ़ी के जैव ईंधन	यह किण्वन की पारंपरिक विधि द्वारा बायो डीजल के लिए इथेनॉल और आयल सीड बनाने के लिए गेहूं और चीनी जैसी खाद्य फसलों का उपयोग करता है।
दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन	यह गैर-खाद्य फसलों और फीडस्टॉक जैसे जटरोफा, लकड़ी, घास, बीज फसलों, जैविक कचरे का उपयोग करता है।
तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन	यह विशेष रूप से संसाधित शैवाल का उपयोग करता है जिसका जैव-भार, जैव ईंधन में परिवर्तित हो जाता है।
चौथी पीढ़ी के जैव ईंधन	इसका उद्देश्य न केवल टिकाऊ ऊर्जा का उत्पादन करना है बल्कि CO ₂ को संग्रहित करना और भंडारण करना भी है।

जैव इथेनॉल (Bio ethanol)	यह कार्बोहाइड्रेट तथा फसलों और अन्य पौधों और घास के सेल्युलॉसिक सामग्री के किण्वन से उत्पन्न शराब है।
जैव डीजल (Bio Diesel)	यह पौधों और जानवरों से प्राप्त तेलों और वसा के ट्रांस एस्टरिफिकेशन द्वारा उत्पादित वसायुक्त अम्लों का एक मिथाइल या मिथाइल एस्टर होता है।
बायो गैस (Bio gas)	बायोगैस (मुख्य रूप से CO ₂ और N ₂ जैसी मीथेन और अन्य गैसों का मिश्रण) कार्बनिक पदार्थों के अवायवीय पाचन द्वारा निर्मित होता है।
बायो जेट (Biojet)	यह एक प्रकार का जैव ईंधन है जो बायोमास संसाधनों से उत्पन्न होता है तथा इसका उपयोग वायु टरबाइन ईंधन के साथ किया जाता है या मिश्रित होता है।

Q.16) तटवर्ती पवन ऊर्जा पर अपतटीय पवन ऊर्जा के क्या लाभ हैं?

1. बड़ी परियोजनाओं की स्थापना और उच्च पवन गति के लिए अधिक से अधिक क्षेत्र
2. असंगत पवन की गति (consistent wind speed)
3. लोड केंद्रों के करीब (Close to load centers)

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 3

- b) केवल 1 और 2
- c) केवल 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.16) Solution (c)

अपतटीय पवन ऊर्जा जल निकायों में निर्मित पवनों का उपयोग है, आमतौर पर महाद्वीपीय शेल्फ पर समुद्र में, बिजली उत्पन्न करने के लिए पवन ऊर्जा के उपयोग द्वारा

तटीय पवन ऊर्जा पर अपतटीय पवन ऊर्जा के लाभ:

- बड़ी परियोजनाओं की स्थापना और उच्च पवन गति के कारण अधिक से अधिक बिजली उत्पादन के लिए प्रति क्षेत्र अधिक मात्रा में क्षमता स्थापित की गई।
- लगातार चलने वाली पवन: पवन टरबाइन उत्पादन क्षमता का प्रभावी उपयोग भूमि की तुलना में समुद्र में अधिक होगा।
- लोड केंद्रों के करीब: ऑफ-शोर पवन फार्म आमतौर पर शहरों और लोड केंद्रों के पास स्थित होते हैं, इसलिए ट्रांसमिशन हानि को कम किया जाता है।
- कम दृश्य प्रभाव: चूंकि ये साइटें भूमि से दूर स्थित होती हैं, इसलिए उनके पास दृश्य प्रभाव कम है जो सार्वजनिक स्वीकृति के मुद्दों के साथ मदद करती है।
- पर्यावरणीय प्रभाव: उत्पन्न होने वाली बिजली की प्रति यूनिट, ऑनशोर विंड फार्म की तुलना में कम ग्लोबल वार्मिंग क्षमता रखती है।

Q.17) सतत कृषि एक अवधारणा है, जिसमें शामिल हैं:

1. प्रतिरूपी प्राकृतिक पारिस्थितिक प्रक्रियाएं
2. टिलिंग और पानी का उपयोग कम से कम करना
3. पशुचारण को कृषि खेती के साथ एकीकृत करना
4. एकल कृषि पर निर्भरता
5. जैव-नियंत्रण के लिए कीटनाशक के उपयोग और निर्भरता से बचना

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1, 3 और 4
- b) केवल 1, 2 और 4
- c) केवल 1, 2, 3 और 5
- d) उपरोक्त सभी

Q.17) Solution (c)

सतत कृषि की अवधारणा जैविक, फ्री-रेंज, कम-इनपुट, समग्र और जैव-रासायनिक सहित तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला को वरीयता देती है।

इन विधियों में से एक सामान्य है, उन कृषि प्रथाओं को अपनाना जो प्राकृतिक पारिस्थितिक प्रक्रियाओं की नकल करती है। किसान टिलिंग और पानी के उपयोग को कम करते हैं, साल-दर-साल अलग-अलग फसलों के साथ खेतों की जुताई करके स्वस्थ मिट्टी को प्रोत्साहित करते हैं तथा पशुचारण के साथ फसल को एकीकृत करते हैं, और फसल को नष्ट करने वाले कीटों को नियंत्रित करने वाले जीवों की उपस्थिति का पोषण करके कीटनाशक के उपयोग से बचते हैं। कृषि के लिए वर्तमान औद्योगिक दृष्टिकोण में शामिल है: एकल कृषि, मशीनीकरण, रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों, जैव प्रौद्योगिकी आदि पर निर्भरता, जो धारणीय नहीं है

Q.18) क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. NCAFMPA या CAMPA को क्षतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम 2016 के तहत बनाया गया है
2. यह राष्ट्रीय और राज्य क्षतिपूरक वनीकरण कोष स्थापित करता है
3. राष्ट्रीय कोष को 25% मिलेगा तथा राज्य कोष को इस फंड का शेष 75% प्राप्त होगा।

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2
- c) केवल 1 और 3
- d) इनमें से कोई भी नहीं

Q.18) Solution (b)

NCAFMPA को क्षतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम 2016 के तहत बनाया गया है।

इसने भारत के सार्वजनिक खाते और राज्यों के सार्वजनिक खातों के तहत राज्य क्षतिपूरक वनीकरण कोष के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षतिपूरक वनीकरण कोष (NCAF) की स्थापना की।

राष्ट्रीय कोष को इन फंडों में से 10% प्राप्त होगा, और शेष 90% राज्य निधि प्राप्त करेंगे।

इन निधियों के लिए निम्न से भुगतान प्राप्त होगा: क्षतिपूरक वनीकरण, वन का शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी), अन्य परियोजना विशिष्ट भुगतान।

Q.19) भारत में कृषि उत्पादन में धीमी वृद्धि का कारण हैं:

1. फसलों के उपचार के बारे में जागरूकता की कमी
2. सिंचाई की निम्न सुविधा
3. रासायनिक उर्वरकों का उपयोग
4. आधुनिक कृषि तकनीक तक सीमित पहुंच

नीचे से सही विकल्प चुनें:

- a) केवल 1 और 2

- b) केवल 1, 2 और 4
- c) केवल 1, 3 और 4
- d) उपरोक्त सभी।

Q.19) Solution (b)

देश में प्रति हेक्टेयर चावल और अनाज की उपज कम है, चीन, जापान और अमेरिका जैसे देशों से बहुत पीछे है। भारत में कृषि उत्पादन की धीमी वृद्धि को एक अक्षम ग्रामीण परिवहन प्रणाली, फसलों के उपचार के बारे में जागरूकता की कमी, आधुनिक कृषि तकनीक तक सीमित पहुंच और शहरीकरण के कारण सिकुड़ती कृषि भूमि को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है। इसके साथ ही, एक अनियमित मानसून और तथ्य यह है कि 63% कृषि भूमि वर्षा पर निर्भर है जो आगे चलकर हमारे सामने आने वाली कठिनाइयों को बढ़ाती है।

Q.20) जलवायु परिवर्तन का कृषि पर गहरा प्रभाव पड़ा है। उसमें समाविष्ट हैं:

- 1. फसल की वृद्धि और फसल की पैदावार में वृद्धि
- 2. कृषि उपज (agriculture yield) में कमी
- 3. वर्षण भिन्नता (rainfall variability) के कारण वर्षा आधारित कृषि मुख्य रूप से प्रभावित होगी

उपरोक्त कथन में से कौन सा सही है / हैं?

- a) केवल 1
- b) केवल 1 और 2
- c) केवल 1 और 3
- d) उपरोक्त सभी

Q.20) Solution (d)

उच्च CO₂ स्तर फसल की पैदावार को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ प्रयोगशाला प्रयोगों से पता चलता है कि उच्च CO₂ का स्तर पौधों के विकास को बढ़ा सकता है।

अधिक चरम तापमान और वर्षा फसलों को बढ़ने से रोक सकती है। चरम घटनाएं, विशेष रूप से बाढ़ और सूखे, फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और पैदावार कम कर सकती हैं।

तापमान में वृद्धि और जल उपलब्धता में परिवर्तन के कारण कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में सिंचित फसल की पैदावार पर जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वर्षा परिवर्तन और वर्षा के दिनों की संख्या में कमी के कारण वर्षा आधारित कृषि मुख्य रूप से प्रभावित होगी।

Q.21) भारतीय वायु गुणवत्ता इंटरैक्टिव रिपोर्टिंग (IndAIR) के बारे में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें?

- 1. यह पिछले 60 वर्षों में किए गए वायु गुणवत्ता अध्ययन का दस्तावेजीकरण करने वाली भारत की पहली वेब रिपोर्टिंग है।

IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 30 Environment

2. यह राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के साथ लॉन्च किया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा सही है / हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

Q.21) Solution (a)

कथन 1	कथन 2
सत्य	असत्य
भारतीय वायु गुणवत्ता इंटरएक्टिव रिपोजिटरी (IndAIR) भारत की पहली वेब रिपोजिटरी है, जो पिछले 60 वर्षों में किए गए वायु गुणवत्ता अध्ययन का दस्तावेजीकरण करती है। इसका उद्देश्य वायु प्रदूषण अनुसंधान और विनियमों का इतिहास प्रदान करना है।	यह राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के साथ लॉन्च किया गया है।

Q.22) हाल ही में समाचारों में देखा गया, नंगरहार (Nangrahar) निम्नलिखित में से किसका एक प्रांत है?

- इंडोनेशिया
- म्यांमार
- अफ़ग़ानिस्तान
- तंजानिया

Q.22) Solution (c)

- नंगरहार या निंगहर, अफ़ग़ानिस्तान के 34 प्रांतों में से एक है, जो देश के पूर्वी हिस्से में स्थित है।
- नंगरहार प्रांत क्षेत्र मौर्य साम्राज्य अंतर्गत थी, जिसका नेतृत्व चंद्रगुप्त मौर्य ने किया था, जिन्होंने हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म का परिचय करवाया था।

Q.23) एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) योजना के तहत निम्नलिखित में से कौन सी सेवाएं शामिल हैं?

- स्कूल-पूर्व गैर-औपचारिक शिक्षा
- पूरक पोषण
- प्रतिरक्षण (Immunization)
- स्वास्थ्य जांच

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- केवल 1, 2 और 3

- b) केवल 2, 3 और 4
- c) केवल 2 और 4
- d) 1, 2, 3 और 4

Q.23) Solution (d)

- एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कार्यान्वित एक केन्द्र प्रायोजित योजना है।
- इसका उद्देश्य बच्चों को पूरक पोषण, टीकाकरण और स्कूल पूर्व शिक्षा प्रदान करना है।
- लाभार्थियों में 0-6 वर्ष के बच्चे, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं शामिल हैं।
- यह पूरक पोषण, स्कूल-पूर्व गैर-औपचारिक शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाओं जैसी छह सेवाओं का पैकेज प्रदान करता है।
- आंगनवाड़ी केंद्रों (AWWs) और आंगनवाड़ी सहायकों (AWHS) के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों में निचले स्तर पर सेवाएं दी जाती हैं।
- पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) को छोड़कर आईसीडीएस के सभी घटकों को 60:40 अनुपात (केंद्रीय: राज्य) के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है। एसएनपी घटक को 50:50 अनुपात के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था। उत्तर पूर्व के राज्यों में 90:10 का अनुपात है।

Q.24) धनुष तोप (Dhanush Artillery Gun) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

1. यह भारत की पहली स्वदेशी तोप है।
2. यह भारत में निर्मित होने वाली पहली लंबी दूरी की तोप है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.24) Solution (c)

कथन 1	कथन 2
सत्य	सत्य
धनुष आर्टिलरी गन भारत की पहली स्वदेशी तोप है। जो आयुध निर्माणी बोर्ड (OFB), कोलकाता द्वारा विकसित और देसी बोफोर्स के रूप में संदर्भित है।	यह भारत में उत्पादित होने वाली पहली लंबी दूरी की आर्टिलरी गन है (38 किमी की रेंज)। यह एक नेविगेशन-आधारित दृष्टि प्रणाली और रात्रि प्रत्यक्ष फायरिंग प्रणाली से लैस है।

Q.25) निम्नलिखित में से कौन सभी गेंडों (Rhino) की प्रजातियों में सबसे छोटी है?

- काला गैंडा
- सफेद गैंडा
- जावाई गैंडा
- सुमात्राई गैंडा

Q.25) Solution (d)

- सुमात्राई गैंडे, सभी गैंडों प्रजातियों में सबसे छोटे होते हैं।
- यह IUCN की रेड लिस्ट में गंभीर रूप से लुप्तप्राय (CR) के रूप में सूचीबद्ध है।
- देश में अंतिम राइनो की मौत के बाद मलेशिया में सुमात्राई गैंडे विलुप्त हो गए हैं।

Q.26) निम्न में से कौन सा देश म्यांमार को नरसंहार के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) में ले गया था?

- सऊदी अरब
- चीन
- तुर्की
- गाम्बिया

Q.26) Solution (d)

गाम्बिया द्वारा अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में म्यांमार को नरसंहार करने का दोषी ठहराने का केस फाइल किया गया है - जो नरसंहार को रोकने और दंडित करने में विफल रहा है। गाम्बिया का अनुरोध आईसीजे से यह मांग करने के लिए कहता है कि म्यांमार नरसंहार के कार्यों को रोके, क्षतिपूर्ति प्रदान करे और अपराधियों (वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और सैन्य अधिकारियों सहित) को दंडित करे।

सोचिए!

- नरसंहार कन्वेंशन (Genocide Convention)

Q.27) 'नकारात्मक (या रिवर्स) सर्वसम्मति का नियम' (The rule of negative (or reverse) consensus) किससे संबंधित है

- विश्व बैंक
- विश्व व्यापार संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन
- बिम्सटेक

Q.27) Solution (b)

यह डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान मामले से संबद्ध है।

Read More - https://www.wto.org/english/tratop_e/dispu_e/disp_settlement_cbt_e/c6s3p1_e.htm

Q.28) 'तरलता कवरेज अनुपात (Liquidity Coverage Ratio- LCR)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह अल्पकालिक दायित्वों को पूरा करने के लिए अलग सेट की गई उच्च तरल संपत्ति का अनुपात है।
2. यह बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (BCBS) द्वारा निर्धारित किया गया था।

सही कथनों का चयन करें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.28) Solution (c)

2007 में शुरू हुए वैश्विक वित्तीय संकट की पृष्ठभूमि में, बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (BCBS) ने अधिक लचीला बैंकिंग क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वैश्विक पूंजी और तरलता नियमों को मजबूत करने हेतु कुछ सुधारों का प्रस्ताव रखा। इस संबंध में, बेसल III तरलता का नियम - "बेसल III: तरलता जोखिम माप, मानकों और निगरानी के लिए अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखा" दिसंबर 2010 में जारी किया गया था जिसमें तरलता पर वैश्विक नियामक मानकों का विवरण प्रस्तुत किया गया था। इसमें दो न्यूनतम मानक हैं। तरलता के वित्त पोषण के लिए तरलता कवरेज अनुपात (LCR) और नेट स्टेबल फंडिंग अनुपात (Net Stable Funding Ratio- NSFR) को दो अलग लेकिन पूरक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बेसल समिति द्वारा निर्धारित किया गया था।

LCR यह सुनिश्चित करने के लिए बैंकों के अल्पकालिक लचीलापन को बढ़ावा देता है कि वे सुनिश्चित करें कि उनके पास 30 दिनों तक चलने वाले तीव्र तनाव परिदृश्य से बचने के लिए पर्याप्त उच्च गुणवत्ता वाली तरल संपत्ति (HQLAs) हो। NSFR बैंकों के लिए निरंतर आधार पर धन के अधिक स्थिर स्रोतों के साथ अपनी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए बैंकों की आवश्यकता से अधिक समय के क्षितिज पर लचीलापन को बढ़ावा देता है।

Q.29) 'क्लॉबैक तंत्र' (Clawback Mechanism) शब्द जो समाचारों में था, किससे संबंधित था

- a) गैर-निष्पादनकारी संपत्ति (Non-Performing Assets)
- b) एक्जिम स्क्रिप्स (EXIM Scrips)
- c) राष्ट्रीय कृषि बाजार (eNAM)
- d) लेनदारों की समिति (CoC)

Q.29) Solution (a)

IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 30 Environment

एक क्लॉबैक प्रावधान एक संविदात्मक खंड है जिसे आमतौर पर वित्तीय फर्मों द्वारा रोजगार अनुबंध में शामिल किया जाता है, जिसके द्वारा किसी कर्मचारी को पहले से भुगतान किए गए धन को कुछ शर्तों के तहत नियोक्ता को वापस भुगतान किया जाना चाहिए।

RBI ने निजी और विदेशी बैंकों के पूर्णकालिक निदेशकों (WTDs) और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (CEOs) के मुआवजे के पैकेजों के लिए दिशानिर्देशों को कड़ा कर दिया है, तथा उन्हें कदाचार के जोखिम और खराब ऋण की अंडर-रिपोर्टिंग को संबोधित करने के लिए एक क्लॉबैक तंत्र लागू करने के लिए कहा है।

Source:

<https://indianexpress.com/article/business/banking-and-finance/to-tackle-npa-under-reporting-and-misconduct-rbi-asks-private-banks-to-set-clawback-mechanism-6103260/>

Q.30) निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है / हैं?

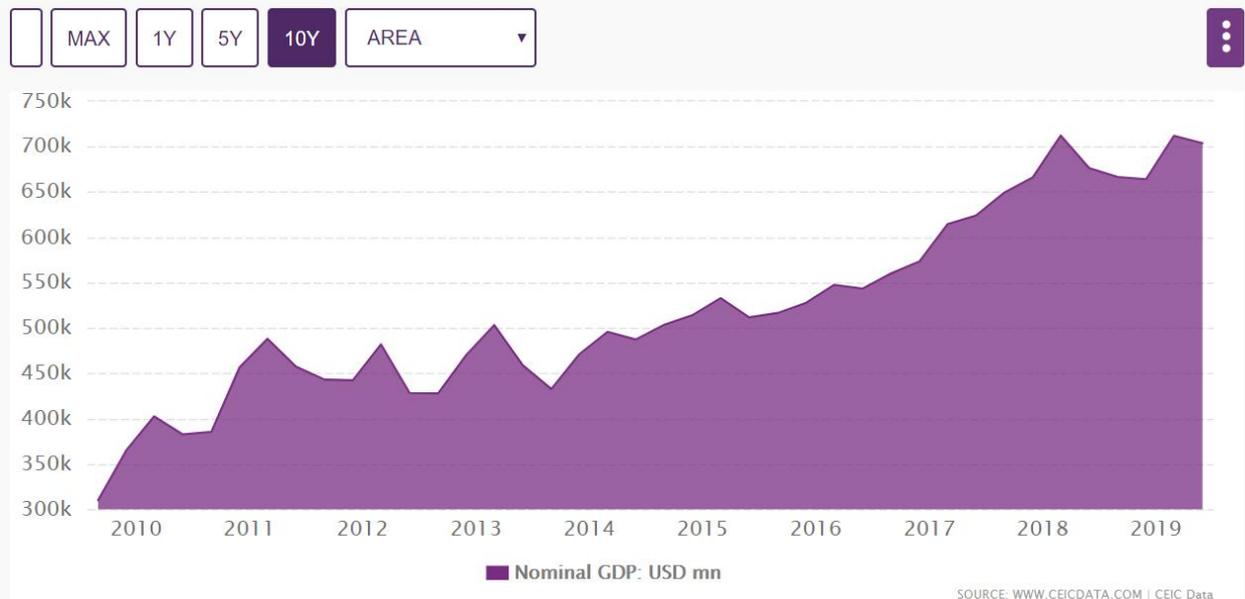
1. भारत की पिछले दस वर्षों में नॉमिनल जीडीपी बढ़ रही है।
2. पिछले दस वर्षों में नॉमिनल जीडीपी विकास दर लगातार बढ़ रही है।

सही कथनों का चयन करें

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2 दोनों
- d) न तो 1 और न ही 2

Q.30) Solution (a)

कथन 1 सही है। कथन 2 गलत है।



IASbaba 60 Day Plan 2020 – Day 30 Environment

